Yadav, Shri Ram Singh
Yusuf, Shri Mohmed
Zainul Basher, Shri

NOES

Jain, Shri Virdhi Chander
*Namgyal, Shri P.
Roy, Shri A. K.
Unnikrishnan, Shri K. P.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Subject to correction, the result† of the Division is: Ayes 130; Noes 4.

The motion was adopted.

At this stage, Shri A. K. Roy left the House.

SHRI ZAIL SINGH: Sir, I introduce the Bill.

STATEMENT RE. ESSENTIAL SERVICES MAINTENANCE ORDINANCE

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI ZAIL SINGH): Sir, I beg to lay on the Table an explanatory statement (Hindi and English versions) giving reasons for immediate legislation by the Essential Services Maintenance Ordinance, 1981.

19.29 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) DEMAND FOR TAKING OVER OF THE KANPUR INSTITUTE OF PAPER TECHNOLOGY.

श्री रशीद मसूद (सहारनपुर) : मैं सरकार का ध्यान रूल 377 के तहत मुन्दरजा-जैल मामले की तरफ दिलाना चाहता हूं।

[SHRI GULSHER AHMED *in the Chair*]

हिन्दुस्तान में पेपर टैक्नालाजी के दो, तीन इंस्टीट्यूट हैं जहां पर कागज बनाने की टैक्नालाजी पढ़ायी जाती है और साथ ही साथ उस पर रिसर्च भी की जाती है। 1977 में हुकूमत ने एक प्रोग्राम बनाया था जिस के तहत हुकूमत हिन्द ने पेपर टैक्नालाजी का एक सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट बनाने का फैसला किया था। इस सिलसिले में एक कमेटी बनायी गई थी जिस के तहत मामलात पर गौर करने के बाद यह फैसला किया था कि सहारनपुर के पेपर टैक्नालाजी इंस्टीट्यूट को सेन्ट्रल पेपर टैक्नालाजी इंस्टीट्यूट करार दे दिया जाय। जिस को हुकूमत हिन्द ने भी तस्लीम कर लिया था। जिस के बाद सहारनपुर के लोगों और पेपर टैक्नालाजी इंस्टीट्यूट सहारनपुर के मुलाजमीन और स्टूडेंट्स को भी खुशी हुई थी। मगर आज तक इस इंस्टीट्यूट को मुकम्मल तौर पर सेन्ट्रल सरकार ने अपने इंतजाम में नहीं लिया जिसकी वजह से हिन्दुस्तान में कायम ऐसे दो इंस्टीट्यूट भी हैं—एक इंस्टीट्यूट सहारनपुर पेपर टैक्नालाजी इंस्टीट्यूट, वह खिदमत नहीं कर पा रहा है जो उसको करनी चाहिये। मेरी सरकार से दरख्वास्त है कि सहारनपुर पेपर इंस्टीट्यूट को फौरन सरकार के इंतजाम में लिया जाय ताकि मुल्क और पेपर इंडस्ट्री की खिदमत हो सके और हम लोग कागज की कमी से छुटकारा पा सकें।

---

*Wrongly voted for NOES

†The following Members also recorded their votes for AYES: Sarvshri Zail Singh, S. B. Chavan, Gulsher Ahmed, Harinatha Misra, Vasant Rao Patil, Umakant Mishra, Subhash Chandra, Yadav, Prof. K.K. Tewary, Shrimati Ram Dulari Sinha, Shrimati Mohsina Kidwai and Shri P. Namgyal.